भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-965

उत्तर दिनांक 13/02/2025 को दिया गया

कैगा परमाणु संयंत्र

965. श्री जी.सी. चन्द्रशेखर

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्राक्चर्स लिमिटेड (एमईआईएल) ने कर्नाटक के कैगा परमाणु संयंत्र में 700 मेगावाट क्षमता वाली दो परमाणु ऊर्जा इकाइयों के निर्माण के लिए अनुबंध हासिल किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इन इकाइयों के निर्माण और कार्यशील होने की समय-सीमा और अनुमानित लागत क्या है;

(ग) कर्नाटक की ऊर्जा क्षमता और ऊर्जा सुरक्षा पर इन इकाइयों का अपेक्षित प्रभाव क्या है;

(घ) समय पर निष्पादन और सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(ङ) क्या इस परियोजना में स्थानीय रोजगार और कर्नाटक स्थित उद्योगों की भागीदारी हेतु प्रावधान शामिल हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) हां। मेसर्स मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) कैगा, कर्नाटक की यूनिट-5 व 6 (कैगा 5 व 6 - 2 x 700 मेगावाट) के नाभिकीय आइसलैंड मेगा ईपीसी पैकेज के लिए जारी निविदा में एल-1 निविदाकर्ता रहा। कार्य आदेश के संबंध में कार्रवाई प्रगति पर है।

(ख) कैगा 5 व 6 की स्वीकृत लागत 21000 करोड़ रुपए है और वर्ष 2030-31 तक पूरा होने की आशा है।

(ग) कैगा 5 व 6 के सफलतापूर्वक पूरा होने पर, राज्य की स्थापित क्षमता में 1400 मेगावाट स्वच्छ मूल भार क्षमता और जुड़ जाएगी। विद्युत मंत्रालय के मौजूदा मानकों के अनुसार, इस परियोजना से कर्नाटक को 700 मेगावाट की निर्धारित हिस्सेदारी और 210 मेगावाट के अनिर्धारित कोटा से कुछ हिस्सेदारी प्राप्त होगी।

(घ) परियोजना के महत्वपूर्ण कार्यों/लक्ष्यों की अनुसूचियां तैयार करके और उसकी निकट निगरानी करके परियोजना का समय पर निष्पादन सुनिश्चित किया जाता है। प्रगति का मॉनीटरन करने और बीच-बीच में आवश्यकतानुसार शोधन करने के लिए सभी हितधारकों के साथ बार-बार बैठकें आयोजित की जाती हैं जिससे परियोजना का समय पर पूरा होना सुनिश्चित किया जा सके।

नाभिकीय ऊर्जा के सभी पहलुओं - स्थल चयन, अभिकल्प, निर्माण, कमीशनन और प्रचालन में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता उपलब्ध कराके एक मजबूत संरक्षा ढांचा प्रदान किया गया है। उच्चतम संरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए, एक मजबूत आंतरिक समीक्षा तंत्र मौजूद है। इसके अलावा, नियामक प्राधिकरण, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) द्वारा आवधिक समीक्षाएं भी की जाती हैं।

(ङ) स्थल पर प्रदान किए गए विभिन्न ठेकों की सहभागिता शर्तों के तहत स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाती है। हालांकि कर्नाटक आधारित उद्योगों के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं हैं, परन्तु परियोजना के स्थान को देखते हुए, स्थानीय उद्योगों को अच्छे व्यापार अवसर मिलने की संभावना है।

*****